

अध्याय-7

टिपटिपवा

1 मार्क

1. "टिपटिपवा" कविता के लेखक कौन हैं?

उत्तर: श्रीराम शर्मा 'अच्छान'।

2. कविता में किसे "टिपटिपवा" कहा गया है?

उत्तर: छिपकली को।

3. "टिपटिपवा" की कहानी किसके बारे में है?

उत्तर: एक छोटी सी छिपकली के बारे में।

4. "टिपटिपवा" कविता में क्या वर्णित है?

उत्तर: छिपकली के खेलने के तरीके और उसकी मस्ती।

5. कविता में छिपकली किसे बुलाती है?

उत्तर: अपने मित्रों को।

6. "टिपटिपवा" कविता में कौन-कौन से विशेषताएं बताई गई हैं?

उत्तर: छिपकली की तरह छलांगें मारना, मित्रों के साथ खेलना, और मस्ती करना।

7. "टिपटिपवा" कविता में कैसे व्यक्ति होता है?

उत्तर: खुशियों और उत्साह से भरा हुआ।

8. कविता में क्या सिख सकते हैं हम?

उत्तर: मित्रों के साथ मिलकर खेलने और जीवन का आनंद लेने का महत्त्व।

9. "टिपटिपवा" कविता में छिपकली की क्या स्थिति होती है?

उत्तर: मस्ती भरी।

10. कविता में "टिपटिपवा" का क्या मतलब है?

उत्तर: छिपकली की चालबाजी और मस्ती से भरी हुई दुनिया।

2 मार्क:

1. "टिपटिपवा" कविता का मुख्य विषय समझाएं।

उत्तर: "टिपटिपवा" कविता का मुख्य विषय एक छोटी छिपकली की खेलने की खुशी और उसके दोस्तों के साथ मनोरंजन का है।

2. कवि "टिपटिपवा" के किरदार को कैसे चित्रित करते हैं?

उत्तर: कवि "टिपटिपवा" को उर्जावान और खेलखिलाहट भरे जीवन के साथ दिखाते हैं, जो अपने दोस्तों के साथ समय बिताती है, खेलौनों में खेलती है और जीवन से पूर्ण होती है।

3. "टिपटिपवा" कविता से कौन-कौन सी सीखें मिल सकती हैं?

उत्तर: कविता मनोरंजन के साधनों का आनंद लेने, दोस्ती के महत्त्व को समझने और खेल-कूद के माध्यम से जीवन का आनंद लेने की महत्वाकांक्षा को सिखाती है।

4. कविता में किरदारों के बीच सौहार्द का वर्णन कीजिए।

उत्तर: कविता में किरदारों के बीच सौहार्द का एक मिलनसार और आनंदमय वातावरण है, जहाँ वे साथ में खेलते हैं और आनंद उठाते हैं।

5. "टिपटिपवा" शीर्षक का महत्त्व समझाएं।

उत्तर: शीर्षक छिपकली की जीवंत और उत्साही प्रकृति का संकेत करता है, जो कविता में उसकी खेलखिलाहट और खेलने की भावना को दर्शाता है।

6. कवि ने "टिपटिपवा" को जीवंत कैसे किया है भाषा और चित्रण के माध्यम से?

उत्तर: कवि ने "टिपटिपवा" के जीवंत गतिविधियों और इसके दोस्तों के साथ की बातचीत को चित्रित करने के लिए चित्रण के विविध माध्यमों और जीवंत भाषा का उपयोग किया है।

7. कविता "टिपटिपवा" का मूड और भाव कैसे हैं?

उत्तर: कविता का मूड खुशियों और खेलखिलाहट से भरा हुआ है, जो खुशहाल और उल्लासपूर्ण वातावरण दर्शाता है। उसका भाव खेलखिलाहटपूर्ण होता है, जो पाठकों में खुशी और जीवनजीन भावना को प्रकट करता है।

8. "टिपटिपवा" को हिंदी बच्चों के साहित्य में प्रसिद्ध क्यों माना जाता है?

उत्तर: "टिपटिपवा" हिंदी बच्चों के साहित्य में प्रिय किरदार के रूप में माना जाता है क्योंकि वह खेलखिलाहट भरे स्वभाव और अपने सरल खेलों के कारण युवा पाठकों में संबंधित होती है।

9. "टिपटिपवा" के माध्यम से जीवन में खिलखिलाहट की महत्त्वता कैसे उजागर की गई है?

उत्तर: कवि ने "टिपटिपवा" और उसके दोस्तों के द्वारा सादगी से खुशहाली का महत्त्व बताया है, जो जीवन की सरल अनुभूतियों का आनंद लेने की महत्त्वाकांक्षा को दर्शाते हैं।

10. "टिपटिपवा" के बाल साहित्य के रूप में सार्वभौमिक आकर्षण का वर्णन कीजिए।

उत्तर: "टिपटिपवा" सार्वभौमिक रूप से आकर्षक है क्योंकि इसका स्वाभाविक नेचर और मनोरंजनपूर्ण स्वभाव, जो किशोरों के दिनों की बिना परेशानियों और मित्रता की याद दिलाता है, पाठकों को सभी आयुवर्गों में आकर्षित करता है।

4 मार्क:

1. "टिपटिपवा" कविता का मुख्य विषय और संदेश क्या हैं?

उत्तर: "टिपटिपवा" कविता में छिपकली के जीवनजीवंत स्वभाव और खेलखिलाहट भरी दुनिया का वर्णन किया गया है। इसका संदेश है कि हमें जीवन के छोटे-छोटे सुखों का आनंद लेना चाहिए और दोस्तों के साथ मिलकर खुशियों को बाँटना चाहिए।

2. "टिपटिपवा" कविता में कैसे प्रकाशित होता है बचपन का महत्त्व?

उत्तर: कविता में, "टिपटिपवा" के खिलौने, मज़ाक, और उसके दोस्तों के साथ समय बिताने का वर्णन करके बचपन का महत्त्व प्रकट होता है। यह बचपन के सुखद और खुशहाल पलों का महत्व दर्शाता है।

3. "टिपटिपवा" कविता के शीर्षक का महत्त्व कैसे उजागर किया गया है?

उत्तर: शीर्षक "टिपटिपवा" छिपकली की खेलने की भावना और खेलखिलाहटपूर्ण प्रकृति को दर्शाता है। यह शीर्षक छिपकली के उत्साह से भरे जीवन का संकेत करता है।

4. "टिपटिपवा" कविता कैसे बच्चों के लिए महत्वपूर्ण है?

उत्तर: यह कविता बच्चों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वे खेलने के साधनों और मित्रों के साथ समय बिताने की महत्वता सीखते हैं। यह उन्हें बचपन की खुशी और उत्साह का अनुभव करने का संदेश देती है।

5. "टिपटिपवा" कविता के माध्यम से किस प्रकार सादगी और जीवन का संरक्षण का संदेश दिया गया है?

उत्तर: कविता "टिपटिपवा" द्वारा सादगी, खुशी, और खेलने का संदेश देती है। यह उसे समझाती है कि हमें जीवन की सरल सुखों का आनंद लेना चाहिए और जो भी हमारे आसपास है, उसे महसूस करना चाहिए।

6. कविता में "टिपटिपवा" की व्यक्तित्विकता का विवरण कैसे दिया गया है?

उत्तर: "टिपटिपवा" कविता में अपने खिलौनों, खुशी, और मित्रों के साथ वक्त बिताते हुए उत्साही और जीवंत प्रतीत होती है। इसे खिलखिलाहट और सादगी से भरा हुआ दिखाया गया है।

7. "टिपटिपवा" कविता का शैली और व्यंग्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर: "टिपटिपवा" कविता की शैली उत्साहवर्धक और खुशहाल है, जो बच्चों को सरलता और खुशी का महत्व बताती है। इसमें खिलखिलाहट और मस्ती के भाव व्यंग्यपूर्ण तरीके से दर्शाए गए हैं।

8. "टिपटिपवा" कविता का प्रास और चित्रण कैसे किया गया है?

उत्तर: कविता में प्रास और चित्रण का उपयोग छिपकली के खेलने की गतिविधियों, उसके खिलौनों के वर्णन में होता है, जो पाठकों के लिए जीवंत और संवादनशील बनाता है।

खाली जगह भरने के

1. "टिपटिपवा" कविता के लेखक का नाम है _____.

उत्तर: श्रीराम शर्मा 'अच्छान'

2. "टिपटिपवा" कविता का मुख्य विषय छोटी और खिलखिलाती छिपकली के _____ पर आधारित है।

उत्तर: खेलने के प्राणित और बिना चिंता के स्वभाव पर

3. "टिपटिपवा" कविता में, "टिपटिपवा" सिखाती है कि जीवन के सरल _____ का महत्त्व है।

उत्तर: सुखद

4. कविता के शीर्षक में "टिपटिपवा" का मतलब है छिपकली की _____ और उत्साहपूर्ण प्रकृति।

उत्तर: जीवंत

5. "टिपटिपवा" के माध्यम से कवि जीवन के _____ सुख का महत्त्व जाहिर करता है।

उत्तर: सरल

6. कविता में किरदारों के बीच दोस्ती और साझेदारी का एक संदेश है, जो एकसाथीता और _____ की भावना को दर्शाता है।

उत्तर: आनंद

7. "टिपटिपवा" कविता का मूड _____ और खुशमिजाज है।

उत्तर: खुशहाल

8. "टिपटिपवा" को हिंदी बच्चों के साहित्य में एक प्रसिद्ध किरदार के रूप में उत्तर दिया गया है क्योंकि उसका _____ और संबंधित स्वभाव है।

उत्तर: जीवंत

9. "टिपटिपवा" कविता में खिलखिलाहट का और सरल _____ का महत्त्व समझाया गया है।

उत्तर: सुख

10. "टिपटिपवा" कविता की अविस्मरणीय भावना और व्यंग्यपूर्ण भाषा से छिपकली की _____ बनती है।

उत्तर: चमकीली

सारांश

"टिपटिपवा" कविता एक खिलखिलाहट भरी कविता है, जो एक छोटी छिपकली की खुशी, उत्साह और खिलखिलाहट पर आधारित है। यह कविता छिपकली के दोस्तों के साथ खेलने और उसके जीवन की खासियतों को बयां करती है। "टिपटिपवा" नामक छिपकली खिलौनों में और खेल-कूद में खोया हुआ है, जो उसके दोस्तों के साथ मस्ती और उत्साह का अनुभव करती है। छिपकली की हरकतें और उसका खुशहाल प्रकृति इसे एक प्यारा और प्रिय जीवंत बनाती है सभी उम्र के पाठकों के लिए। कवि ने इस कविता के माध्यम से बचपन की मासूमियत और जीवन के सरल सुखों की महत्त्वपूर्णता को संकेतित किया है। छोटी छिपकली के जीवन में हर छोटी बात में खुशी और आनंद की भरमार होती है, जिसे उसने अपने दोस्तों के साथ साझा किया। इस कविता के माध्यम से, पाठकों को सरलता, मित्रता, और खुशियों की महत्ता का संदेश दिया गया है।